अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर

स्थापना वर्ष : 2015

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

अक्षय ऊर्जा-अनूठा रोजगारपरक विकल्प

भारत तथा राज्य शासन के कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत् अक्षय उर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, मध्य भारत में यू.जी.सी. द्वारा संचालित प्रथम एवं एकमात्र संस्थान है जहां सौर, पवन, बायोमास, भूतापीय एवं अन्य अक्षय उर्जाओं के श्रोतों एवं उनके उत्पादन के बारे में गहन अध्ययन/अध्यापन कराया जाता है। यह मल्टीएंट्री, मल्टीएग्जिट पाठ्यक्रम है जिसमें विद्यार्थियों को 06 माह में सर्टिफिकेट, 01 वर्ष में डिप्लोमा, 02 वर्ष में एडवांस डिप्लोमा एवं 03 वर्ष के पश्चात् बी.वॉक. डिग्री दी जाती है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में संचालित बेचलर ऑफ वोकेशन पाठ्यक्रम UGC, AICTE एवं सेक्टर स्किल फॉर ग्रीन जॉब्स द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह पाठ्यक्रम प्रायोगिक पर अधिक केन्द्रित है तथा विगत 04 वर्षों में अनेक उपलब्धियां हासिल कर चुका है। इस संस्थान में देश के भिन्न भिन्न संस्थानों से प्रतिष्ठित वैज्ञानिक व प्रोफेसरों तथा उद्योगों (जैसे एम.एस.एम.ई., पी.सी.आर.ए., क्रेडा) के अभियंताओं द्वारा प्रशिक्षण दिया जा चुका है एवं इससे बहुत से अभ्यर्थी लाभांवित हो चुके है। कोर्स में नवीनता एवं औद्योगिक स्तर कायम रखने के लिये संस्थान ने क्रेडा एवं पावर सेक्टर स्किल कौंसिल के साथ एम.ओ.यू. भी किया है। इस का सीधा लाभ अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मिलता है।

विभाग के छात्रों द्वारा MHRD, AICTE के स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2019 कौशल स्पर्धा मे भाग लिया गया तथा विद्यार्थियों द्वारा क्लीन इंडिया, ग्रीनइंडिया के तहत प्रोजेक्ट्स तैयार भी किये गये थे जिन्हें विशेषज्ञों द्वारा सराहना मिली।

अक्षय उर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान

विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गए प्रमुख प्रोजेक्ट्स

- लाईट के माध्यम से डाटा ट्रान्समिशन
- सोलर पेनल को स्वतः स्वच्छ करने वाली तकनीक
- ब्रेकर्स के द्वारा विद्युत उत्पादन
- बॉयोमास इंधन से चलने वाली बाइक एवं
- बॉयोमास बनाने के लिये बॉयोडाइजेस्टर

विद्यार्थियों को देश के विभिन्न अग्रणी संस्थानों से कार्य करने के लिये आमंत्रित किया गया है, जहां विद्यार्थी अभी कार्यरत् हैं। यु.जी.सी.के पत्र क्रमांक **F.2-7/2014(CC/NVEQF)/Misc** दिनांक 4 अगस्त 2016, द्वारा बी.वॉक. पाठ्यक्रम यू.पी.एस.सी., पी.एस.सी., एस.एस.सी. एवं अन्य बेचलर पाठ्यक्रमों के समतुल्य है तथा छात्र किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में भी सम्मिलित हो सकते हैं।

देश की वर्तमान स्थिति अनुसार एक तरफ तो करोड़ो युवाओं के पास ऐसी डिग्रीयॉ है जिनकी पढ़ाई उद्योगों में नौकरी के लायक नहीं है और दूसरी तरफ अप्रशिक्षित मिस्त्रियों की कारखानों में ऐसी फौज है जो काम तो कर रही है पर हुनर की अनउपलबधता के कारण पेशेवर ढंग से क्रियान्वित नहीं कर पा रहे है। आज देश में करोड़ों हुनरमंद पेशेवर लोगों की जरूरत है और जरूरत है ऐसे ही पाठ्यक्रम की जो उद्योग और वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित कर सके। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु **NSQF** के तहत **UGC** द्वारा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन में तीन वर्षीय कौशल विकास पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस विषय के माध्यम से आप विभिन्न प्रकार के अक्षय ऊर्जा स्त्रोंतो एवं उनके प्रयोग और अनुसंधान के संदर्भ में विस्तृत अध्ययन कर सकते है। इस विषय में विद्यार्थियों को प्रायोगिक क्रियाविधियों पर खास तौर पर जोर दिया जा रहा है ताकि विद्यार्थी सैध्दांतिकीय ज्ञान के साथ–साथ प्रायोगिक ज्ञान भी अर्जित कर सकें। विभाग में सुदूर क्षेत्रों से भी विद्यार्थी कौशल विकास के प्रशिक्षण के लिये विश्वविद्यालय के अक्षय उर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान में आते हैं, जहां उन्हें अत्याधुनिक उपकरणों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग में नवीनतम प्रायोगिक उपकरण उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय अध्ययन कराये जा रहे है।

विभाग को **AICTE** द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत् 04 प्रशिक्षण कार्यकमों का भी आबंटन हुआ है। विभाग को ग्रिड कनेक्टेड सोलर पी.वी. रूपटॉप पर प्रशिक्षण देने के लिये वर्ल्ड बैंक/एस.बी.आई. के ट्रेनिंग पार्टनर तथा अक्षय उर्जा मंत्रालय **(MNRE)** एवं नेशनल इंस्टिट्यूट आफ सोलर एनर्जी (भारत सरकार) के प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में चयनित किया गया है तथा विभाग निरंतर सौर उर्जा के उपयोग एवं उपभोग को बढावा देने एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है।

दुनिया में बढते पर्यावरण के प्रदूषण को रोकने के लिये कई प्रयास किये जा रहे हैं। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिये पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन की बजाय अक्षय ऊर्जा को वरीयता दी जा रही है। इस मामले में भारत काफी आगे है। 2022 तक भारत ने अक्षय ऊर्जा के द्वारा 175 गिगावाट ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखां है। लक्ष्य के 100 गिगावाट सौर ऊर्जा, 60 गिगावाट पवन ऊर्जा, 10 गिगावाट बायोमास और 5 गिगावाट लघु जलविद्युत द्वारा प्राप्त करना निर्धारित किया गया है। भारत के इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के कारण इस क्षेत्र में रोजगार एवं व्यापार की अपार संभावनाएँ जागृत हुई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 2022 तक 03 लाख से ज्यादा नयी नौकरियां आएंगी। वहीं सबसे ज्यादा मौके सौर ऊर्जा के क्षेत्र में होंगे। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ विशेष रूप से कार्य कर रहा है तथा अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर अक्षय उर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये कई पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। जिससे यहां के क्षेत्रीय युवाओ के लिये कैरियर के अच्छे अवसर है।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय देश के चुनिंदा संस्थानों में से एक है जो इस विषय में विस्तृत एवं व्यवस्थित पाठ्यक्रम को संचालन कर रहा हैं। इसके लिये इच्छुक छात्र/छात्राएं ऑनलाइन आवेदन कर सकते है या विद्यार्थी आवेदन फॉर्म विश्वविद्यालय से 400 रूपये में प्राप्त कर विभाग में जमा कर सकते है।

कोर्स संबंधित अधिक जानकारी के लिये आप समन्वयक प्रो. संजय तिवारी, श्री गजेन्द्र सिंह राठौर (मो. 9827966082) श्री बी. गोपाल कृष्ण(मो. 8349640006) से सम्पर्क कर सकते है इसके अलावा इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के वेबसाइट **www.prsu.ac.in** एवं विभाग के ई.मेल. आई.डी **renewable.prsu@gmail.com** से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।